प्रेस विज्ञप्ति

11 मई 2017, गुरूग्राम

गुरूग्राम, ओम् शान्ति रिट्रीट सेन्टर में बच्चों एवं उनके माता–पिता के लिए मन की बात अपनों के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 8 से 17 वर्ष के बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम में ज्यादातर लोगों ने अपने जीवन से जुड़ी हुई बातों व घटनाओं के बारे में जिक्र किया व समाधान के लिए सुझाव प्राप्त किये। बच्चों को 8 से 12 एवं 13 से 17 वर्ष के दो आयु वर्गों में बाँटकर अनेक एक्टिविटीज़ भी कराई गई। **इस अवसर विशेष रूप से भारत सरकार के केन्द्रीय जनजातीय मंत्री माननीय जोल ओरम भी उपस्थित थे।** बच्चों एवं पेरेंन्ट्स को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य का सबसे अच्छा मित्र उसका मन है। मन को जो अच्छा लगता है हम वही करते हैं। इसलिए अगर हम समाज में बदलाव लाना चाहते हैं तो अपने मन को बदलने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मन को दबाना व मारना नहीं है बल्कि मन को बड़े प्यार से समझाना है, प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि माता–पिता के जैसे संस्कार होंगे बच्चों में वो अवश्य आयेंगे।

जमशेदपुर, झारखण्ड की सांसद आभा महतो ने बताया कि पहले जमाने में गुरूकुल की व्यवस्था होती थी, जिसमें बच्चों को बहुत कुछ सिखाया जाता था। लेकिन आज वैसा नहीं है, इसलिए माता–पिता को अपने बच्चों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज मन की बात करने का किसी के पास समय ही नहीं है। हरेक का समय मोबाइल, नेट एवं टीबी के साथ गुजरता है। सम्बन्ध सिर्फ नाम के रह गये हैं।

इस अवसर पर संस्था के अतिरिक्त सचिव ब्रजमोहन जी ने कहा कि मनुष्य जो भी करता है उसका फल वो स्वयं ही प्राप्त करता है। जब हम कर्मों की गहन गति को जान लेते हैं, तो हमसे कोई भी ऐसा कर्म नहीं होगा जो दुःखदाई हो। उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यता बहुत प्राचीन है। परिवार की परम्परा केवल भारत में ही है। विश्व की अनेक सभ्यताएं आई और उनका पतन हुआ लेकिन भारतीय सभ्यता आज भी वैसी ही बनी हुई है। **ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने** कहा कि सदैव सीखने की भावना ही हमेशा युवा बनाकर रखती है। उन्होंने दादी जानकी जी का उदाहरण देते हुए कहा कि आज 101 वर्ष की आयु में भी दादी जी इतनी बड़ी संस्था का बखूबी संचालन कर रही है और सदैव अपने को युवा समझती हैं। कार्यक्रम में 700 से भी अधिक लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन बी॰ के॰ फाल्गुनी ने किया।

कैप्शन– 1: माननीय जोल ओरम, जनजातीय मंत्री भारत सरकार
2: सांसद आभा महतो
3: आशादीदी माननीय मंत्री जी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए
4: राजयोगी ब्रजमोहन भाई
5: मंचासीन बाएं से आभा महतो, ब्रजमोहन भाई, माननीय मंत्री एवं आशादीदी
6: सभा में उपस्थित जन समूह